IUJ in Press

इक्फाई विश्वविद्यालय में विद्यादान कार्यक्रम

रांची। इक्फाई विवि की ओर से विद्यादान कार्यक्रम की शुरुआत की है। कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि योजना के तहत सिमलिया, दलदली, गुटुआ, तिलटा और पुंदाग को गोद लिया गया है।

ICFAI univ rolls out edu plan for rural kids

Times News Network

Ranchi: The ICFAI University on Friday launched 'Vidyadaan', a social outreach plan to provide education and inculcate information technology (IT) skills among the students in villages.

The plan also envisages distribution of books, magazines and sponsorship of two newspapers, including the Times of India and a vernacular daily, for the panchayat offices in its vicinity.

SCHEME LAUNCHED IN FIVE VILLAGES

Launching the scheme in the presence of university faculty members, students and the rural children, the vice-chancellor O R S Rao said that the scheme is being implemented in five villages — Simaliya, Daladali, Gutua, Tilta and Pundag — under the Unnat Bharat Abhiyan plan of the Government of India. He added that the scheme was planned after a survey conducted by university students in the locality.

Professor Rao said that the university faculty would take hour-long remedial classes for rural students of Class VIII and above in mathematics and physics on the university premises during working days.

One computer set would be provided at each of the five panchayat offices where rural students can learn IT skills, he said. "The institution would send library on wheels to the villages every Sunday for providing text books and magazines to students," he said.

Rao also said that a summer camp was held by his institution where 70 local students were taught IT skills, general knowledge, newspaper reading, yoga and dance.

A student of Class XI, Ragini Kumari of Kathal Tola, said that her dream of being computer savvy will be fulfilled. Manisha Kumari of Class VIII said, "I am looking forward to take part in the education programme."

दैनिक भास्कर रांची 09-07-2022

आज विद्या से बड़ा कोई दान नहीं, हम 5 गांव गोद लेकर इसकी शुरुआत कर रहे हैं : राव

रातू। आज के इस वैज्ञानिक युग में शिक्षा से बड़ा कोई दान नहीं होता। हमने अन्नदान, धनदान के अलावा कई तरह के दान सुना है, लेकिन किसी ने विद्यादान के संबंध में नहीं सुना होगा। इक्फाई यूनिवर्सिटी प्रखंड के पांच गांवों में ग्रामीण छात्रों के शिक्षा स्तर में सुधार के लिए एक अभिनव पहल विद्या दान की शुरुआत की है। इसमें गांव के बच्चों को अच्छी शिक्षा दी जाएगी। यह बात इक्फाई यूनिवर्सिटी के कुलपति ओआरएस राव ने कही। ओआरएस राव शुक्रवार को इक्फाई यूनिवर्सिटी सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कुलपति ओआरएस राव ने कहा कि भारत सरकार की उन्नत भारत अभियान योजना के तहत हमारे विश्वविद्यालय ने पांच पड़ोसी गांवों सिमलिया, दलादिली, ललगुटुआ, तिलता व पुंदाग को गोद लिया है। हम ग्रामीणों की आर्थिक स्तर में सुधार लाना चाहते हैं। इन पांच गांवों में एक सर्वे के बाद हमने ग्रामीण छात्रों की शिक्षा और आईटी कौशल की गुणवत्ता में सुधार के लिए विद्यादान योजना शुरू करने का फैसला लिया। प्रो. अरविंद कुमार ने कहा कि हमें पहले ही इन कक्षाओं के लिए 40 से अधिक बच्चे मिल चुके हैं। सिमलिया गांव की मुखिया फुलमनी देवी ने कहा कि हमारे गांव के बच्चे विश्वविद्यालय की सामाजिक गतिविधियों से बहुत लाभान्वित हो रहे हैं।

इक्फाई युनिवर्सिटी द्वारा गांवों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर विद्या दान कार्यक्रम की शुरुवात

आज विद्या से बडा कोई दान नही : कुलपति

'विद्यादान से बड़ा कोई दान नहीं'

रातू। आज के इस वैज्ञानिक युग में शिक्षा से बड़ा कोई दान नहीं होता। इक्फ़ाई यूनिवर्सिटी ने प्रखंड के पांच गांवों में ग्रामीण छात्रों के शिक्षा स्तर में सुधार के लिए विद्या दान की शुरूआत की है। जिसमें गांव के बच्चों को अच्छी शिक्षा दी जाएगी। यह बातें यूनिवर्सिटी के कुलपति ओआरएस राव ने कही।

वे शुक्रवार को यूनिवर्सिटी सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कुलपति ने कहा कि सरकार की उन्नत भारत अभियान योजना के तहत हमारे विवि ने पांच पड़ोसी गांवों सिमलिया, दलादिली, ललगुटुआ, तिलता व पुंदाग को गोद लिया है। हम ग्रामीणों के आर्थिक स्तर में सुधार लाना चाहते हैं। कार्यक्रम को प्रो अरविंद कुमार, सिमलिया गांव की मुखिया फुलमनी देवी ने भी संबोधित किया।

इक्फ़ाई विश्वविद्यालय द्वारा गांवों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सक्षम करने के लिए विद्या दान पहल की शुरुआत

स्वस्थ और समृद्ध समाज के लिए शिक्षा जरूरी : प्रो. ओआरएस राव

मुख्य संवाददाता

रांची। झारखंड के पड़ोसी गांवों में ग्रामीण छात्रों के शिक्षा स्तर में सुधार के लिए एक अभिनव पहल -विद्या दान- आज इक्फ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड परिसर में शुरू की गई। समारोह में सिमलिया पंचायत की मुखिया फुलमनी देवी और गुटुवा पंचायत के उपमुखिया प्रवीण कुमार समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। उद्घाटन समारोह में विद्यार्थियों के अलावा उनके अभिभावकों ने भी भाग लिया। उक्त पंचायतों को छह कम्प्यूटर एवं पुस्तकालय की पुस्तकें एवं पत्रिकाएं दान में दी गईं।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओआरएस राव ने कहा, -भारत सरकार की उन्नत भारत अभियान (यूबीए) योजना के तहत, हमारे विश्वविद्यालय ने पांच पड़ोसी गांवों सिमलिया, दलदली, गुटुआ, तिलटा और पुंदाग को गोद लिया है। और ग्रामीणों के रहने की स्थिति में सुधार करना चाहते हैं। इन पांच गांवों में एक सर्वेक्षण करने के बाद, हमने ग्रामीण छात्रों की शिक्षा और आईटी कौशल की गुणवत्ता में सुधार के लिए विद्या दान योजना शुरू करने का फैसला किया। हम छात्रों के लिए उपचारात्मक कक्षाएं आयोजित करेंगे शाम 4.30 बजे से हमारे परिसर में गणित और भौतिकी में कक्षा 8। -इसके अलावा, हम 5 पंचायतों में विद्या दान केंद्र स्थापित करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें हम युवाओं को आईटी कौशल में प्रशिक्षित करने के लिए कंप्यूटर केंद्र स्थापित करेंगे। -, प्रो. राव ने कहा कि हम पहिए पर पुस्तकालय स्थापित करने की योजना भी बना रहा है, जिसमें पाठ्य पुस्तकों और कहानी की किताबों की मोबाइल लाइब्रेरी के साथ एक वाहन सभी 5 गांवों की यात्रा करेगा। हम अपने विद्यादान को बनाने के लिए आप सभी के सहयोग की अपेक्षा करते हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो.अरविंद कुमार ने कहा, -हमें पहले ही उपचारात्मक कक्षाओं के लिए 40 से अधिक पंजीकरण प्राप्त हो चुके हैं। हमें खुशी है कि हमारे संकाय सदस्यों के अलावा, हमारे कुछ वरिष्ठ छात्र और पूर्व छात्र भी इस पहल में शामिल हैं। कुछ दिन जब हमने ग्रामीण बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन शिविर आयोजित किया, तो हमें आप सभी से उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली। हमें खुशी है कि कक्षाओं के लिए पहले से ही 70 से अधिक छात्र पंजीकृत हैं।

इस अवसर पर सिमलिया गांव की मुखिया फुलमनी देवी ने कहा, -हमारे छात्र समय-समय पर विश्वविद्यालय की सामाजिक आउटरीच गतिविधियों से बहुत लाभान्वित होते हैं। पिछले महीने आईसीएफएआई विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित समर कैंप में हमारे गांव के कई छात्रों ने भाग लिया और लाभान्वित हुए। हमें खुशी है कि विश्वविद्यालय हमारे छात्रों के सीखने की गुणवत्ता में सुधार के लिए ऐसी और गतिविधियों की योजना बना रहा है। इन कदमों से छात्रों को सफल कैरियर बनाने में मदद मिलेगी और हमारे गांव का विकास होगा। हम विश्वविद्यालय के प्रयासों में पूरा सहयोग देंगे।- गुटुआ पंचायत के उप मुखिया प्रवीण कुमार ने अपने गांव को विश्वविद्यालय द्वारा निरंतर सहयोग प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया।

धन्यवाद प्रस्ताव विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अरविन्द कुमार ने प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया।

04 खबर मन्त्र रांची, रविवार 10.07.2022 रांची सिटी

इक्फाई विवि ने गांवों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सक्षम करने के लिए विद्या दान की शुरुआत की

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के पड़ोसी गांवों में ग्रामीण छात्रों के शिक्षा स्तर में सुधार के लिए एक अभिनव पहल विद्या दान इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड परिसर में शुरू की गई। समारोह में सिमलिया पंचायत की मुखिया फुलमनी देवी और गुटुवा पंचायत के उपमुखिया प्रवीण कुमार समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। उद्घाटन समारोह में विद्यार्थियों के अलावा उनके अभिभावकों ने भी भाग लिया। उक्त पंचायतों को छह कम्प्यूटर एवं पुस्तकालय की पुस्तकें एवं पत्रिकाएं दान में दी गईं। कार्यक्रम में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि भारत सरकार की उन्नत भारत अभियान (यूबीए) योजना के तहत, हमारे विश्वविद्यालय ने पांच पड़ोसी गांवों सिमलिया, दलादली, गुटुआ, तिलटा और पुंदाग को गोद लिया है। ग्रामीणों के रहने की स्थिति में सुधार करना चाहते हैं। इन पांच गांवों में एक सर्वेक्षण करने के बाद, हमने ग्रामीण छात्रों की शिक्षा और आईटी कौशल की गुणवत्ता में सुधार के लिए विद्या दान योजना शुरू करने का फैसला किया। हम 5 पंचायतों में विद्या दान केंद्र स्थापित करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें हम युवाओं को आईटी कौशल में प्रशिक्षित करने के लिए कंप्यूटर केंद्र स्थापित करेंगे। प्रो राव ने कहा कि हम पहिए पर पुस्तकालय स्थापित करने की योजना भी बना रहा है, जिसमें पाठ्य पुस्तकों और कहानी की किताबों की मोबाइल लाइब्रेरी के साथ एक वाहन सभी 5 गांवों की यात्रा करेगा। हम अपने विद्यादान को बनाने के लिए आप सभी के सहयोग की अपेक्षा करते हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रोफेसर अरविंद कुमार ने कहा कि हमें पहले ही उपचारात्मक कक्षाओं के लिए 40 से अधिक पंजीकरण प्राप्त हो चुके हैं। हमें खुशी है कि हमारे संकाय सदस्यों के अलावा, हमारे कुछ वरिष्ठ छात्र और पूर्व छात्र भी इस पहल में शामिल हैं। कुछ दिन जब हमने ग्रामीण बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन शिविर आयोजित किया, तो हमें आप सभी से उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली।

सन्मार्ग | रांची/झारखंड | रांची, रविवार, 10 जुलाई 2022 | 05

इक्फाई विवि ने गांवों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सक्षम करने के लिए विद्यादान की पहल की

संवाददाता

दैनिक भास्कर रांची 09-07-2022

आज विद्या से बड़ा कोई दान नहीं, हम 5 गांव गोद लेकर इसकी शुरुआत कर रहे हैं : राव

रातू | आज के इस वैज्ञानिक युग में शिक्षा से बड़ा कोई दान नहीं होता। हमने अन्नदान, धनदान के अलावा कई तरह के दान सुना है, लेकिन किसी ने विद्यादान के संबंध में नहीं सुना होगा। इक्फाई युनिवर्सिटी प्रखंड के पांच गांवों में ग्रामीण छात्रों के शिक्षा स्तर में सुधार के लिए एक अभिनव पहल विद्या दान की शुरुआत की है। इसमें गांव के बच्चों को अच्छी शिक्षा दी जाएगी। यह बात इक्फाई युनिवर्सिटी के कुलपति ओआरएस राव ने कही। आरएस राव शुक्रवार को इक्फाई युनिवर्सिटी सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कुलपति ओआरएस राव ने कहा कि भारत सरकार की उन्नत भारत अभियान योजना के तहत हमारे विश्वविद्यालय ने पांच पड़ोसी गांवों सिमलिया, दलादिली, ललगुटुआ, तिलता व पुंदाग को गोद लिया है। हम ग्रामीणों की आर्थिक स्तर में सुधार लाना चाहते हैं। इन पांच गांवों में एक सर्वे के बाद हमने ग्रामीण छात्रों की शिक्षा और आईटी कौशल की गुणवत्ता में सुधार के लिए विद्यादान योजना शुरू करने का फैसला लिया। प्रो. अरविंद कुमार ने कहा कि हमें पहले ही इन कक्षाओं के लिए 40 से अधिक बच्चे मिल चुके हैं। सिमलिया गांव की मुखिया फुलमनी देवी ने कहा कि हमारे गांव के बच्चे विश्वविद्यालय की सामाजिक गतिविधियों से बहुत लाभान्वित हो रहे हैं।

---

www.livehindustan.com हिन्दुस्तान रांची, शनिवार, 9 जुलाई 2022 06

इक्फाई विश्वविद्यालय में विद्यादान कार्यक्रम

रांची। इक्फाई विवि की ओर से विद्यादान कार्यक्रम की शुरुआत की है। कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि योजना के तहत सिमलिया, दलदली, गुटुआ, तिलटा और पुंदाग को गोद लिया गया है।

राष्ट्रीय सागर | विविध/ खेल | रांची, रविवार, 10 जुलाई 2022 | 12

इक्फाई विश्वविद्यालय की गांवों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सक्षम करने के लिए विद्या दान पहल की हुई शुरूआत

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

रांची : झारखंड के पड़ोसी गांवों में ग्रामीण छात्रों के शिक्षा स्तर में सुधार के लिए एक अभिनव पहल विद्या दान इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड परिसर में शुरू की गई। समारोह में सिमलिया पंचायत की मुखिया फुलमनी देवी और गुटुवा पंचायत के उपमुखिया प्रवीण कुमार समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। उद्घाटन समारोह में विद्यार्थियों के अलावा उनके अभिभावकों ने भी भाग लिया। उक्त पंचायतों को छह कम्प्यूटर एवं पुस्तकालय की पुस्तकें एवं पत्रिकाएं दान में दी गईं। कार्यक्रम में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए ... रहने की स्थिति में सुधार करना चाहते हैं। इन पांच गांवों में एक सर्वेक्षण करने के बाद, हमने ग्रामीण छात्रों की शिक्षा और आईटी कौशल की गुणवत्ता में सुधार के लिए विद्या दान योजना शुरू करने का फैसला किया। हम छात्रों के लिए निःशुल्क ... कंप्यूटर केंद्र स्थापित करेंगे।, प्रो राव ने कहा, की हम पहिए पर पुस्तकालय स्थापित करने की योजना भी बना रहा है, जिसमें पाठ्य पुस्तकों और कहानी की किताबों की मोबाइल लाइब्रेरी के साथ एक वाहन सभी 5 गांवों की यात्रा करेगा। हम अपने विद्यादान को बनाने ... है कि हमारे संकाय सदस्यों के अलावा, हमारे कुछ वरिष्ठ छात्र और पूर्व छात्र भी इस पहल में शामिल हैं। कुछ दिन जब हमने ग्रामीण बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन शिविर आयोजित किया, तो हमें आप सभी से उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली। हमें खुशी है कि कक्षाओं के लिए पहले से ही 70 से अधिक छात्र पंजीकृत हैं। इस अवसर पर सिमलिया गांव की मुखिया, फुलमनी देवी ने कहा, हमारे छात्र समय-समय पर विश्वविद्यालय की सामाजिक आउटरीच गतिविधियों से बहुत लाभान्वित होते हैं। हमें खुशी है कि विश्वविद्यालय हमारे छात्रों के सीखने की गुणवत्ता में सुधार के लिए ऐसी और ...

---

11 For TV, e-paper & news visit: www.liveTv.com Morning India SUNDAY, RANCHI, JULY 10, 2022

VIDYA DAAN Initiative launched at ICFAI University to enable quality education in villages

Sun, 10 July 2022

इक्फाइ विवि ने शुरू की विद्या दान योजना

रांची. इक्फाइ विवि ने अपने कैंपस के आसपास के गावों में बच्चों के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए विद्या दान नाम से शनिवार को एक योजना की शुरुआत की है. पहले चरण में छह कंप्यूटर व पुस्तकालय की स्थापना कर पुस्तकें व पत्रिकाएं दान में दी गयी. कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि भारत सरकार की उन्नत भारत अभियान योजना के तहत विवि ने पांच पड़ोसी गांवों सिमलिया, दलादली, गुटुआ, तिलटा और पुंदाग को गोद लिया है. यहां के ग्रामीणों के रहने की स्थिति में सुधार लाने के साथ-साथ बच्चों व युवाओं में ज्ञान व आइटी कौशल का प्रसार करना है. छात्रों के लिए निःशुल्क क्लास ली जायेगी. कुलपति ने बताया है कि पंचायतों में विद्या दान केंद्र स्थापित किये जा रहे हैं. रजिस्ट्रार प्रो अरविंद कुमार ने कहा कि कक्षाओं के लिए 40 से अधिक पंजीकरण हो गये हैं. इस अवसर पर सिमलिया गांव की मुखिया फुलमनी, गुटुआ पंचायत के उप मुखिया प्रवीण कुमार भी उपस्थित थे.

प्रभात खबर Sun, 10 July 2022 https://epaper.prabhatkhabar.com/c/69095305

---

sunday pioneer RANCHI | SUNDAY | JULY 10, 2022

ICFAI launches 'Vidya Daan' initiative to educate rural students

PNS ■ RANCHI

"VIDYA DAAN", an innovative initiative to improve the education standard of the rural students in the neighbouring villages of Jharkhand was launched at the ICFAI University, Jharkhand campus. The Mukhiya of the Simaliya Panchayat, and Upmukhiya of the Gutawa Panchayat were the guests of honour at the function. Besides the students, their parents also participated in the inaugural function.

Welcoming the participants to the program, ICFAI Vice-Chancellor, Professor, ORS Rao said," Under the Unnat Bharat Athiyan (UBA) scheme of Government of India, our university adopted five neighbouring villages, Simaliya, Daladali, Gutua, Tilta and Pundag and want to improve the living conditions of the villagers. After conducting a survey in these five villages, we decided to launch the Vidya Daan scheme to improve the quality of education and IT skills of the rural students. We will be conducting remedial classes for students from class 8 in Mathematics and Physics at our campus from 4.30pm."

"Besides, we are planning to set up Vidaya Daan Kendras in the 5 panchayats, wherein we will be setting up computer centres to train the youth in IT skills. We are also planning to set up a library on wheels wherein a vehicle with a mobile library of text books and story books will be traveling to all the 5 villages", added Rao.

Addressing the event Registrar, ICFAI, Professor Arvind Kumar said " We have already received over 40 registrations for the remedial classes. A few days back when we conducted summer camp for the rural children, we received excellent responses from all of you. We are happy that already over 70 Students registered for the classes."

Speaking on the occasion, Mukhiya Simaliya Village, Fulmani Devi said, "Our students are very much benefited with the social outreach activities of the university from time to time. A number of the students from our village participated in the Summer Camp, conducted by the ICFAI University last month and were benefited. We are delighted that the University is planning more such activities to improve the quality of learning of our students. These steps will help the students to build successful careers and will enable development of our village. We will extend all co-operations to the University in its efforts." Up Mukhiya Gutua Panchayat, Pravin Kumar, expressed gratitude for the continuous support provided by ICFAI to this village.

राष्ट्रीय सागर | रांची/आसपास/झारखंड | 2

इक्फाई विवि की अकादमिक परिषद ने नई पीढ़ी के रोजगार उन्मुख पाठ्यक्रम को किया अनुमोदित

क प्रति संवेदना व्यक्त किया है।

इक्फाई विश्वविद्यालय में व्याख्यान आयोजित

रांची। महिला उद्यमिताः वर्तमान युग में चुनौतियों के प्रभाव पर व्याख्यान का इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में आयोजित किया गया था। वक्ताओं में डॉ सुभेंदु कुमार मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, गीताम विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम और डॉ अर्पणा सिंह, संस्थापक और प्रबंध निदेशक, मैनसोफी बिज थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओआरएस राव ने कहा कि हर उद्यमी किसी न किसी रूप में कई चुनौतियों का सामना करता है। हालांकि, महिला उद्यमियों के मामले में चुनौती अधिक है। उन्हें सशक्त बनाने की जरूरत है।

खबर मन्त्र Wed, 20 July 2022 https://epaper.dailykhabarmantra

सन्मार्ग

रांची, शुक्रवार, 15 जुलाई 2022 | 02

इक्फाई विवि में अकादमिक परिषद की बैठक

संवाददाता

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में आयोजित अकादमिक परिषद की बैठक के दौरान, विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों की संरचना और पाठ्यक्रम की समीक्षा की गई। परिषद द्वारा कई अत्याधुनिक पाठ्यक्रमों को मंजूरी दी गई। ताकि स्नातक छात्रों की रोजगार क्षमता को बढ़ाया जा सके। अकादमिक परिषद की बैठक के बाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि हमारे छात्रों को उद्योग के लिए आवश्यक दक्षताओं से लैस करने के लिए, हमारे विश्वविद्यालय ने उद्योग के वरिष्ठ प्रबंधकों को अपने सुझाव साझा करने के लिए आमंत्रित किया। हमारे बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठकों में हमारे पाठ्यक्रम बीटेक-मैकेनिकल में, इलेक्ट्रिकल वाहनों पर बहुत अधिक ध्यान दिया जायेगा, जिसमें टाटा मोटर्स, मारुति, हुंडई, एमएंडएम जैसी प्रमुख ऑटोमोटिव कंपनियां अगले 4 वर्षों में करीब 45,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी, जिससे भारी रोजगार पैदा होगा। नए स्नातकों के लिए कोयला खदानों के लाइसेंस के संबंध में सरकारी नीति के उदारीकरण के कारण खनन क्षेत्र उत्कृष्टता कैरियर के अवसर प्रदान करता है, जिसमें 2024 तक 500 नए कोयला ब्लॉकों की नीलामी होने की उम्मीद है। प्रो राव ने कहा आईटी में नवीनतम विकास के साथ तालमेल रखने के लिए, हम वर्तमान शैक्षणिक वर्ष से बीटेक कार्यक्रम में डेटा विज्ञान और एआई की एक नई शाखा की पेशकश कर रहे हैं। डॉ जीएल दत्ता, एकेडमिक काउंसिल के सदस्य और पूर्व डीन, आईआईटी, खड़गपुर ने कहा कि जैसा कि भारतीय अर्थव्यवस्था कोविड-19 के बाद तेजी से ठीक हो रही है। विनिर्माण तेजी से बढ़ रहा है। उद्योग 4.0 को अपनाने के कारण, अगले 3-4 वर्षों में मैकेनिकल इंजीनियरिंग स्नातकों के लिए आईओटी, स्वायत्त वाहन जैसे क्षेत्रों में रोमांचक प्रौद्योगिकी केंद्रित कैरियर के अवसर सामने आ रहे हैं। मुझे खुशी है कि इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड ने उद्योग 4.0 की जरूरतों के अनुरूप अपने पाठ्यक्रम को अपडेट किया है। मौके पर मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ राजेश प्रसाद, कंप्यूटर साइंस विभाग के एचओडी डॉ अभय सिन्हा, रजिस्ट्रार प्रो अरविंद कुमार ने भी अपने विचार रखें।

04 खबर मन्त्र | रांची, शुक्रवार 15.07.2022 | रांची सिटी

इक्फाई विवि की एकेडमिक काउंसिल ने नई पीढ़ी के लिए अनुमोदित किया रोजगार उन्मुख पाठ्यक्रम

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में गुरुवार को आयोजित एकेडमिक काउंसिल की बैठक के दौरान विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों की संरचना और पाठ्यक्रम की समीक्षा की गई। साथ ही परिषद द्वारा कई अत्याधुनिक पाठ्यक्रमों को मंजूरी दी गई, ताकि स्नातक छात्रों की रोजगार क्षमता को बढ़ाया जा सके। एकेडमिक काउंसिल की बैठक के बाद प्रेस को जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि छात्रों को उद्योग के लिए आवश्यक दक्षताओं से लैस करने के लिए विवि ने उद्योग के वरिष्ठ प्रबंधकों को अपने सुझाव साझा करने के लिए आमंत्रित किया। हमारे बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठकों में हमारे इलेक्ट्रिकल वाहनों पर बहुत अधिक ध्यान दिया जाएगा, जिसमें टाटा मोटर्स, मारुति, हुंडई, एमएंडएम जैसी प्रमुख ऑटोमोटिव कंपनियां अगले 4 वर्षों में लगभग 45,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी, जिससे भारी रोजगार पैदा होगा। नए स्नातकों के लिए। कोयला खदानों के लाइसेंस के संबंध में सरकारी नीति के उदारीकरण के कारण खनन क्षेत्र उत्कृष्टता कैरियर के अवसर प्रदान करता है, जिसमें 2024 तक 500 नए कोयला ब्लॉकों की नीलामी होने की उम्मीद है। प्रो राव ने कहा कि आईटी में नवीनतम विकास के साथ तालमेल रखने के लिए हम वर्तमान शैक्षणिक वर्ष से बीटेक कार्यक्रम में डेटा विज्ञान और एआई की एक नई शाखा की पेशकश कर रहे है। डॉ जीएल दत्ता, एकेडमिक काउंसिल के खड़गपुर ने कहा कि जैसा कि भारतीय अर्थव्यवस्था कोविद-19 के बाद तेजी से ठीक हो रही है। विनिर्माण तेजी से बढ़ रहा है। उद्योग 4.0 को अपनाने के कारण, अगले 3-4 वर्षों में मैकेनिकल इंजीनियरिंग स्नातकों के लिए आईओटी, स्वायत्त वाहन जैसे क्षेत्रों में रोमांचक प्रौद्योगिकी केंद्रित कैरियर के अवसर सामने आ रहे हैं। मुझे खुशी है कि इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड ने उद्योग 4.0 की जरूरतों के अनुरूप अपने पाठ्यक्रम को अपडेट किया है। परिवर्तनों का विवरण देते हुए मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ राजेश प्रसाद ने कहा कि मैकेनिकल इंजीनियरों के लिए एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग और डेटा साइंस जैसे नवीनतम पाठ्यक्रम हमारे छात्रों को उद्योग 4.0 के अवसरों का उपयोग करने

राष्ट्रीय सागर | रांची शहर | 3

इक्फाई विवि में 'अनुस्मरण' एलुमनी मीट-2022 आयोजित

रांची एक्सप्रेस

रांची, शनिवार, 2 जुलाई 2022

इक्फ़ाई विश्वविद्यालय में एलुमनी मीट - 'अनुस्मरण 2022' आयोजित

रांची। इक्फ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'अनुस्मरण', एलुमनी मीट -2022 आयोजित की गई, जिसमें भारत और विदेशों के विभिन्न स्थानों के पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उत्सव में गायन, नृत्य आदि जैसे मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे। पूर्व छात्रों का स्वागत करते हुए, इक्फ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति प्रोफेसर ओ आर एस राव ने कहा, "हमें यह जानकर बहुत खुशी और गर्व हो रहा है कि हमारे पूर्व छात्र एक्सेंचर, अमेज़न, अमूल, कॉग्निजेंट, अर्न्स्ट एंड यंग, गूगल, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, एसबीआई, टीसीएस, विप्रो, बीपीसीएल, सीसीएल आदि जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में वरिष्ठ भूमिकाओं में काम कर रहे हैं। आप में से कुछ सफल उद्यमी बन गए हैं और रोजगार पाने के बजाय नियोक्ता बन गए हैं।

समाज के उत्थान के लिए मिलकर काम कर सकते है। इस अवसर पर, इक्फ़ाई विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र न्यूज़लेटर, "अलुमुस" का उद्घाटन अंक जारी किया गया, जो विश्वविद्यालय और पूर्व छात्रों के बीच संचार के एक चैनल के रूप में काम करेगा। पूर्व छात्रों ने विश्वविद्यालय में कैंपस जीवन की अपनी यादों को पुरानी यादों के साथ याद किया और विश्वविद्यालय छोड़ने के बाद पेशेवर यात्रा के अनुभवों को साझा किया और विश्वविद्यालय और संकाय सदस्यों को उनकी व्यावसायिक सफलता में उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने छात्रों को करियर सलाह भी दी और छात्रों और कार्यस्थल में अपने समय की सबसे कीमती यादें साझा कीं। इस मौके पर पाठ्यक्रम अद्यतन, इंटर्नशिप, प्लेसमेंट और सामाजिक आउटरीच जैसे मुद्दों के साथ-साथ कॉर्पोरेट और अकादमिक के बीच साझेदारी पर एक पैनल चर्चा

04 खबर मन्त्र | रांची, शुक्रवार 10.06.2022

इक्फाई विवि में एडवांस अनुसंधान पद्धति पर कार्यशाला आयोजित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय में एडवांस अनुसंधान पद्धति पर 5 दिवसीय फैकल्टि विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन एसपीएसएस और स्ट्र^रल इक्वेशन मॉडलिंग का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर ध्यान देने के साथ किया गया। कार्यक्रम में न केवल इक्फाई विश्वविद्यालय बल्कि अन्य विश्वविद्यालयों और बिजनेस स्कूलों के कई संकाय सदस्यों और पीएचडी विद्वानों ने भाग लिया।

कामकाजी पेशेवरों की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए, सप्ताहांत के दौरान कार्यक्रम के सत्र ऑनलाइन आयोजित किए गए थे। स्वागत भाषण के दौरान, इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ आर एस राव ने कहा कि सांख्यिकीय उपकरणों का उपयोग करके व्यवस्थित डेटा विश्लेषण और परिणामों की प्रभावी प्रस्तुति सामाजिक विज्ञान में गुणवत्ता अकादमिक अनुसंधान के महत्वपूर्ण पहलू हैं। वर्कशॉप का उद्देश्य पीएचडी स्कॉलर्स और रिसर्च सुपरवाइजर्स को डेटा एनालिसिस स्किल्स से लैस करना, स्ट्र^रल इक्वेशन मॉडलिंग (एसईएम) जैसी उन्नत स्टैटिस्टिकल तकनीकों और एसपीएसएस, एएमओएस और स्मार्टपीएलएस जैसे सॉफ्टवेयर पैकेजों का उपयोग करना है, ताकि वे विश्व स्तर के अकादमिक शोध का उत्पादन कर सकें। प्रो राव ने कहा कि व्यावहारिक कौशल प्रदान करने के लिए, हमारे संकाय सदस्यों द्वारा एक अनूठी प्रशिक्षण पद्धति अपनाई जाती है, जिसमें अवधारणा शिक्षण और व्यावहारिक अभ्यास को उनके शोध पत्रों में प्रतिष्ठित शोधकर्ताओं द्वारा उसी के आवेदन के प्रदर्शन के साथ जोड़ा गया था। कार्यक्रम का समन्वय इक्फाई विवि के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ राज कुमार ने किया। सत्र का संचालन विश्वविद्यालय के डॉ हरि हरन, डॉ सुदीप्त मजूमदार, डॉ राज कुमार और डॉ दिलीप कुमार ने किया। डॉ. भगवत बारिक, सहायक डीन ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

11

For TV, e-paper & news visit: www.live7tv.com

Morning India

WEDNESDAY, RANCHI, JULY 20, 2022

Lecturers on 'Women Entrepreneurship: Challenges in the Current Era' held at ICFAI

IMPACT LECTURER on "Women Entrepreneurship: Challenges in the Current Era" was held at ICFAI University, Jharkhand. The speakers were Dr. Subhendu Kumar Mishra, Associate Professor, GITAM University, Vishakhapatnam and Dr. Aparna Singh, Founder and Managing Director, ManSophy Biz. Pvt. Ltd. A number of students, faculty members, Entrepreneurs and working professionals from across India participated in the lecture series.

Welcoming the participants in the lecturer session, Prof. O.R.S Rao, Vice-Chancellor of the University said, "Every Entrepreneur faces multiple challenges, in one form or the other. However, in the case of Women Entrepreneurs, challenging are more, primarily due to issues of work-life balancing and social stigmas attached to aspirations of women to become independent financially." Narrating the success stories of Indian Women Entrepreneurs like Ms Kiran Majumdar Shaw of BioCon, he said, "Women, in general, have multiple skills, which enable them to become successful professionals. We saw evidence of it in our University's girl students, who in general have been performing better than men. However, there is a need for empowering them."

Addressing the participants, Dr. Subhendu Kumar Mishra said, "Entrepreneurship leads to innovation, rare, disequilibrium and creation. He has given the examples of Self Help groups, Co-operatives and other startups where the spirit of entrepreneurship is apparently visible. Lack of proper information, lower social positioning as compared to male etc. are some of the issues that are faced by the women entrepreneurs.

Dr. Aparna Singh, sharing her own experience as Entrepreneur, "Work life balance is a major challenge among the women Entrepreneurs. In order to enable them to perform better, women need to be provided better work facilities and strategic planning to lead the entrepreneurship mood and attitude. Accessible market, funding, family support, regulatory framework, socio cultural support are equally important to build the women entrepreneurship. While explaining her entrepreneurial journey from 2009 onwards, she was appreciative of the role and contribution of her Summer Internship Program during University education that paved the way to entrepreneurship in her life." "Students and future entrepreneurs should do something unexpected and unbelievable with passion to strengthen their entrepreneurship and build social capital by the way of employment", advised Dr. Aparna Singh.

Dr. Subrato Kumar Dey, Associate Professor anchored the event. Dr Bhagabat Barik, Asst. Dean,proposed a vote of thanks.

ब्रीफ न्यूज

इक्फाइ विवि में करियर अवसर पर पैनल चर्चा 29 को

रांची. इक्फाइ विवि में 29 जुलाई को दोपहर 3:00 बजे बीटेक स्नातकों के लिए करियर के अवसर पर पैनल चर्चा होगी. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थी और उनके माता-पिता भी शामिल हो सकते हैं. इसके लिए पंजीयन कराना होगा. कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में इंजीनियरिंग की सभी शाखाओं में बहुत सारे प्रौद्योगिकी विकास हुए हैं. इसमें मैकेनिकल और माइनिंग के साथ-साथ कंप्यूटर जैसी मुख्य शाखाएं शामिल हैं. अगले तीन-चार वर्षों में स्नातक होने वाले छात्रों के लिए करियर के अवसर पैदा होंगे.

प्रभात खबर Wed, 27 July 2022

पूर्वांचल सूर्य

रांची,बुधवार,20 जुलाई 2022

झारखंड 2

इक्फ़ाई विश्वविद्यालय में महिला उद्यमिता वर्तमान युग में चुनौतियां विषयक व्याख्यान आयोजित

उद्यमियों के लिए सफलता बड़ी चुनौती : प्रो. ओआरएस राव

विशेष संवाददाता

रांची। महिला उद्यमिता वर्तमान युग में चुनौतियां- के प्रभाव पर व्याख्यान का इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में आयोजित किया गया था। वक्ताओं में डॉ. शुभेंदु कुमार मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, गीताम विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम और डॉ. अपर्णा सिंह, संस्थापक और प्रबंध निदेशक, मैनसोफी बिज थे। इसमें देश भर से कई छात्रों, संकाय सदस्यों, उद्यमियों और कामकाजी पेशेवरों ने व्याख्यान श्रृंखला में भाग लिया।

व्याख्यान सत्र में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओआरएस राव ने कहा, -हर उद्यमी किसी न किसी रूप में कई चुनौतियों का सामना करता है। हालांकि, महिला उद्यमियों के मामले में चुनौतीपूर्ण अधिक है, मुख्य रूप से कार्य-जीवन संतुलन के मुद्दों और महिलाओं की आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने की आकांक्षाओं से जुड़े सामाजिक कलंक के कारण है। बायोकॉन की सुश्री किरण मजूमदार शॉ जैसी भारतीय महिला उद्यमियों की सफलता की कहानियां सुनाते हुए उन्होंने कहा, -सामान्य तौर पर महिलाओं के पास कई कौशल होते हैं, जो उन्हें सफल पेशेवर बनने में सक्षम बनाते हैं। हमने अपने विश्वविद्यालय की छात्राओं में इसका प्रमाण देखा, जो सामान्य रूप से पुरुषों से बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। हालांकि, उन्हें सशक्त बनाने की जरूरत है।-

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, डॉ. शुभेंदु

कुमार मिश्रा ने कहा, -उद्यमिता नवाचार, दुर्लभ, असमानता और सृजन की ओर ले जाती है। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों, सहकारी समितियों और अन्य स्टार्टअप्स का उदाहरण दिया है जहां उद्यमिता की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उचित जानकारी का अभाव, पुरुषों की तुलना में निम्न सामाजिक स्थिति आदि कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिनका सामना महिला उद्यमियों को करना पड़ता है। डॉ. अपर्णा सिंह, उद्यमी के रूप में अपने अनुभव को साझा करते हुए, -कार्य जीवन संतुलन महिला उद्यमियों के बीच एक बड़ी चुनौती है। उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाने के लिए, महिलाओं को बेहतर कार्य सुविधाएं और उद्यमिता के मूड और दृष्टिकोण का नेतृत्व करने के लिए रणनीतिक योजना प्रदान करने की आवश्यकता है। महिला उद्यमिता के निर्माण के लिए सुलभ बाजार, वित्त पोषण, परिवार का समर्थन, नियामक ढांचा, सामाजिक सांस्कृतिक समर्थन समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। 2009 के बाद से अपनी उद्यमशीलता की यात्रा की व्याख्या करते हुए, उन्होंने विश्वविद्यालय शिक्षा के दौरान अपने ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम की भूमिका और योगदान की सराहना की, जिसने उनके जीवन में उद्यमिता का मार्ग प्रशस्त किया। उनकी उद्यमशीलता और रोजगार के माध्यम से सामाजिक पूंजी का निर्माण-, डॉ. अपर्णा सिंह को सलाह दी। कार्यक्रम का संचालन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुब्रतो कुमार डे ने किया। डॉ. भगवत बारिक, सहायक डीन ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

राष्ट्रीय सागर विविध/ खेल 12

इक्फाई विवि में महिला उद्यमिता : वर्तमान युग में चुनौतियां पर व्याख्यान आयोजित

राष्ट्रीय सागर सवांददाता

रांची/रातू : महिला उद्यमिता: वर्तमान युग में चुनौतियां के प्रभाव पर व्याख्यान का इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में आयोजित किया गया था। वक्ताओं में डॉ सुभेंदु कुमार मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, गीताम विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम और डॉ अपर्णा सिंह, संस्थापक और प्रबंध निदेशक, मैनसोफी बिज थे। प्रा. लिमिटेड भारत भर से कई छात्रों, संकाय सदस्यों, उद्यमियों और कामकाजी पेशेवरों ने व्याख्यान श्रृंखला में भाग लिया। व्याख्यान

बायोकॉन की किरण मजूमदार शॉ जैसी भारतीय महिला उद्यमियों की सफलता की कहानियां सुनाते हुए उन्होंने कहा, सामान्य तौर पर महिलाओं के पास कई कौशल होते हैं, जो उन्हें सफल पेशेवर बनने में सक्षम बनाते हैं।

का उदाहरण दिया है जहां उद्यमिता की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उचित जानकारी का अभाव, पुरुषों की तुलना में निम्न सामाजिक स्थिति आदि कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिनका सामना महिला उद्यमियों को

राष्ट्रीय सागर

ब्रीफ न्यूज

इक्फाई विवि का 29 जुलाई को आयोजित होगा बीटेक उम्मीदवारों के लिए करियर काउंसलिंग वेबिनार

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड द्वारा 29 जुलाई को दोपहर 3 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बीटेक स्नातकों के लिए कैरियर के अवसर पर एक पैनल चर्चा आयोजित की जाएगी। सभी छात्र जो बी.टेक कार्यक्रम को आगे बढ़ाना चाहते हैं और उनके माता-पिता वेबिनार में मुफ्त में भाग ले सकते हैं, लिंक https://forms.gle/aBTz1YUEfztYhf6NA का उपयोग करके पंजीकरण कर सकते हैं। वेबिनार पर मीडिया को संबोधित करते हुए, इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति प्रोफेसर ओ आर एस राव ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में इंजीनियरिंग की सभी शाखाओं में बहुत सारे प्रौद्योगिकी विकास हुए हैं, जिसमें मैकेनिकल और माइनिंग के साथ-साथ कंप्यूटर जैसी मुख्य शाखाएं शामिल हैं। इसके अलावा, कोविद-19 के बाद, ऑटोमोबाइल और खनन जैसे विनिर्माण क्षेत्रों में भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से बढ़ रही है। आउटसोर्सिंग से आईटी क्षेत्र को गति मिलती रहेगी। ये विकास अगले 3-4 वर्षों में स्नातक होने वाले छात्रों के लिए रोमांचक करियर के अवसर पैदा करेंगे। प्रो। राव. ने कहा रजो छात्र बीटेक करना चाहते हैं और उनके माता-पिता अपने करियर पर उचित निर्णय लेने के लिए सक्षम हैं, हमारे विश्वविद्यालय ने वेबिनार की व्यवस्था की, जिसमें विभिन्न उद्योगों के विशेषज्ञ करियर विकल्पों की व्याख्या करेंगे और छात्रों को खुद को कैसे तैयार करना चाहिए।

इक्फाई विवि में 29 को बीटेक के लिए करियर काउंसलिंग वेबिनार

रांची: इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड द्वारा 29 जुलाई को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बीटेक स्नातकों के लिए कैरियर के अवसर पर एक पैनल चर्चा होगी। सभी छात्र जो बीटेक कार्यक्रम को आगे बढ़ाना चाहते हैं और उनके माता-पिता वेबिनार में मुफ्त में भाग ले सकते हैं। लिंक का उपयोग कर पंजीकरण कर सकते हैं। इक्फाई विवि के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में इंजीनियरिंग की सभी शाखाओं में बहुत सारे प्रौद्योगिकी विकास हुए हैं। जिसमें मैकेनिकल और माइनिंग के साथ-साथ कंप्यूटर जैसी मुख्य शाखाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा जो छात्र बीटेक करना चाहते हैं और उनके माता-पिता अपने करियर पर उचित निर्णय लेने के लिए सक्षम हैं।

सन्मार्ग Wed, 27 July 2022
https://epaper.sanmarglive.com/c/6942

इक्फाई विवि में बी टेक उम्मीदवारों के लिए करियर काउंसलिंग वेबिनार 29 को

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड द्वारा 29 जुलाई 2022 (शुक्रवार) को दोपहर 3 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बी टेक स्नातकों के लिए कैरियर के अवसर पर एक पैनल चर्चा आयोजित की जाएगी। सभी छात्र जो बीटेक कार्यक्रम को आगे बढ़ाना चाहते हैं और उनके माता-पिता वेबिनार में मुफ्त में भाग ले सकते हैं। वेबिनार पर मीडिया को संबोधित करते हुए, इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में इंजीनियरिंग की सभी शाखाओं में बहुत सारे प्रौद्योगिकी विकास हुए हैं, जिसमें मैकेनिकल और माइनिंग के साथ-साथ कंप्यूटर जैसी मुख्य शाखाएं शामिल हैं। प्रो. राव ने कहा कि जो छात्र बीटेक करना चाहते हैं और उनके माता-पिता अपने करियर पर उचित निर्णय लेने के लिए सक्षम हैं।

खबर मन्त्र Wed, http

सन्मार्ग | रांची, रविवार, 15 मई 2022 | 04

एजुकेशन वर्ल्ड द्वारा झारखंड के निजी विश्वविद्यालयों में इक्फाई विवि को प्रथम रैंक

संवाददाता

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड को भारतीय विश्वविद्यालयों की 2022-23 रैंकिंग में एजुकेशन वर्ल्ड द्वारा भारत में निजी विश्वविद्यालयों में झारखंड में पहला और भारत में 35वां स्थान दिया गया था। यह लगातार तीसरा वर्ष है, जब इक्फाई विश्वविद्यालय को एजुकेशन वर्ल्ड द्वारा स्थान दिया गया था। झारखंड में विश्वविद्यालय की रैंक लगातार 2020 में तीसरी रैंक से बढ़कर 2021 में दूसरी और 2022 में पहली हो गई। इसी तरह, विश्वविद्यालय की अखिल भारतीय रैंक 2020 में 101 से बढ़कर 2021 में 63 और 2022 में 35 हो गई। स्कोर 2020 में 683 से बढ़कर 2022 में 907 हो गया। भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों की रैंकिंग एजुकेशन वर्ल्ड द्वारा, सेंटर फॉर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च की साझेदारी में, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता के 10 मापदंडों पर की गई, जिसमें संकाय की क्षमता, संकाय कल्याण और विकास, अनुसंधान और नवाचार, शिक्षाशास्त्र और प्रक्रिया, उद्योग इंटरफेस/अनुभवात्मक शिक्षा, उद्योग प्लेसमेंट और बुनियादी ढांचे और सुविधाएं, नेतृत्व और शासन और कार्यक्रमों की विविधता की पेशकश शामिल है। इस उपलब्धि पर संकाय सदस्यों और छात्रों को बधाई देते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि झारखंड में निजी विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान और भारत में निजी विश्वविद्यालय में शीर्ष 35 में विश्वविद्यालय की यह एक उत्कृष्ट उपलब्धि है। यह शिक्षण, सीखने और कैंपस प्लेसमेंट की गुणवत्ता में सुधार के लिए संकाय सदस्यों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों व छात्रों की हमारी पूरी टीम के ठोस प्रयासों के कारण संभव हुआ है। प्रो राव ने कहा कि हमारे छात्रों की व्यक्तिगत जरूरतों पर ध्यान देने के लिए हमारे विश्वविद्यालय द्वारा की गई कई प्रौद्योगिकी-सक्षम अभिनव पहलों ने हमारे सभी छात्रों को उद्योग के लिए तैयार करने में मदद की। इसके अलावा, पिछले 3 वर्षों में हमारे शोध की गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है।

दैनिक भास्कर | रांची 21-05-2022

इनोवेशन...इक्फाई विश्वविद्यालय छात्रों ने बनाया प्रोटोटाइप

तीन बीटेक छात्रों ने इलेक्ट्रिक कार का वर्किंग मॉडल बनाया

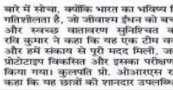

रांची. इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड के तीन बीटेक छात्र आकाश कुमार सिंह, प्रकाश कुमार और रवि कुमार ने संकाय सदस्य डॉ. राजेश के मार्गदर्शन में बैटरी से चलने वाले इलेक्ट्रिक वाहन का वर्किंग मॉडल डिजाइन विकसित किया है। डॉ. राजेश प्रसाद और प्रोफेसर मनोहर कुमार सिंह ने मॉडल की विशेषताओं को समझाने के बाद विश्वविद्यालय के सदस्यों और छात्रों के सामने इसका प्रदर्शन किया। आकाश कुमार ने बताया कि हमने ड्राइवर को 30 मीटर की सीमा तक बाधाओं से बचने और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए मॉडल में कई इलेक्ट्रॉनिक सेंसर शामिल किए हैं। इसके लिए सिग्नल प्रोसेसिंग 'आर्डुइनो आईओटी' तकनीक के जरिए की जाती है। हमने इस परियोजना के बारे में सोचा, क्योंकि भारत का भविष्य विद्युत गतिशीलता है, जो जीवाश्म ईंधन को बचाएगा और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करेगा। रवि कुमार ने कहा कि यह एक टीम वर्क था और हमें संकाय से पूरी मदद मिली, जबतक प्रोटोटाइप विकसित और इसका परीक्षण नहीं किया गया। कुलपति प्रो. ओआरएस राव ने कहा कि यह छात्रों की शानदार उपलब्धि है।

04 | खबर मन्त्र | रांची, शनिवार 21.05.2022 | रांची सिटी

इक्फाई के बीटेक छात्रों ने इलेक्ट्रिक वाहन का कार्य मॉडल विकसित किया

खबर मंत्र ब्यूरो

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड के तीन बीटेक (मैकेनिकल) छात्रों आकाश कुमार सिंह, प्रकाश कुमार और रवि कुमार ने संकाय सदस्य डॉ राजेश के मार्गदर्शन में बैटरी से चलने वाले इलेक्ट्रिक वाहन का वर्किंग मॉडल डिजाइन और विकसित किया। डॉ राजेश प्रसाद और प्रो मनोहर कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय के अन्य संकाय सदस्यों और छात्रों को उसी के काम करने का प्रदर्शन किया। मुख्य विशेषताओं पर आकाश कुमार ने कहा कि हमने ड्राइवर को 30 मीटर की सीमा तक बाधाओं से बचने और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए मॉडल में कई इलेक्ट्रॉनिक सेंसर शामिल किया है। इसके लिए सिग्नल प्रोसेसिंग आर्डुइनो आईओटी तकनीक के जरिए की जाती है। श्री प्रकाश कुमार ने कहा कि भारत का भविष्य विद्युत गतिशीलता है, जो जीवाश्म ईंधन को बचाएगा और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करेगा। श्री कुमार ने कहा कि यह एक टीम वर्क था और हमारे संकाय ने हमें अवधारणा से तब तक निर्देशित किया जब तक कि प्रोटोटाइप विकसित और परीक्षण नहीं किया गया। छात्रों की गर्वित टीम ने इस तरह की रोमांचक परियोजना पर काम करने का अवसर देने के लिए इक्फाई विश्वविद्यालय का आभार व्यक्त किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि यह हमारे छात्रों की ओर से एक शानदार उपलब्धि है जिसने पूरे जोश और उत्साह के साथ काम किया। प्रो राव ने कहा कि टाटा मोटर्स जैसी बड़ी ऑटोमोटिव कंपनियां अपने इलेक्ट्रिकल मोबिलिटी व्यवसाय को बड़े पैमाने पर बढ़ाने के लिए एक मेगा भर्ती अभियान की योजना बना रही है। प्रो अरविंद कुमार, डीन ने कहा कि बीटेक छात्रों को व्यावहारिक कौशल से लैस करने के लिए प्रयोगशालाओं और कार्यशालाओं के संदर्भ में आवश्यक बुनियादी ढांचा है। हम उन्हें ऐसी व्यावहारिक परियोजनाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जो छात्रों को बेहतर सीखने में मदद करती हैं। राजेश प्रसाद ने कहा कि यह एक और चुनौतीपूर्ण परियोजना है, जिसमें मैकेनिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर साइंस शामिल हैं।

पूर्वांचल सूर्य
रांची, रविवार, 15 मई 2022

झारखंड के निजी विश्वविद्यालयों में इक्फ़ाई विश्वविद्यालय को मिला प्रथम रैंक

गुणवत्तायुक्त शिक्षा से कोई समझौता नहीं : प्रो. ओआरएस राव

INDIA HIGHER EDUCATION RANKINGS 2022-23 AWARDS

Education World –University Rankings 2022

University	2022	
	All India Rank (among Pvt Universities)	Among Pvt Universities in Jharkhand
ICFAI University, Jharkhand	35	1

विशेष संवाददाता

रांची। इक्फ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड को भारतीय विश्वविद्यालयों की 2022-23 रैंकिंग में एजुकेशन वर्ल्ड द्वारा भारत में निजी विश्वविद्यालयों में झारखंड में पहला और भारत में 35 वां स्थान दिया गया। यह लगातार तीसरा वर्ष है, जब इक्फ़ाई विश्वविद्यालय को एजुकेशन वर्ल्ड द्वारा स्थान दिया गया था। झारखंड में विश्वविद्यालय की रैंक लगातार 2020 में तीसरी रैंक से बढ़कर 2021 में दूसरी और 2022 में पहली हो गई। इसी तरह, विश्वविद्यालय की अखिल भारतीय रैंक 2020 में 101 से बढ़कर 2021 में 63 और 2022 में 35 हो गई। स्कोर 2020 में 683 से बढ़कर 2022 में 907 हो गया। भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों की रैंकिंग एजुकेशन वर्ल्ड द्वारा, सेंटर फॉर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च की साझेदारी में, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता के दस मापदंडों पर की गई, जिसमें संकाय की क्षमता, संकाय कल्याण और विकास, अनुसंधान और नवाचार; शिक्षाशास्त्र और प्रक्रिया, उद्योग इंटरफ़ेस/अनुभवात्मक शिक्षा, उद्योग प्लेसमेंट और बुनियादी ढांचे और सुविधाएं, नेतृत्व और शासन और कार्यक्रमों की विविधता की पेशकश शामिल है।

इस उपलब्धि पर संकाय सदस्यों और छात्रों को बधाई देते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओआरएस राव ने कहा, ÷झारखंड में निजी विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान और भारत में निजी विश्वविद्यालय में शीर्ष 35 में विश्वविद्यालय की यह एक उत्कृष्ट उपलब्धि है। ÷यह शिक्षण, सीखने और

11 | For TV, e-paper & news visit: www.live7tv.com | Morning India | SATURDAY, RANCHI, MAY 21, 2022

B.Tech students of ICFAI University develop working model of Electrical Vehicle

THREE BTech (Mechanical) students of ICFAI University, Jharkhand, Mr Akash Kumar Singh, Mr Prakash Kumar and Mr Ravi Kumar, designed and developed a "Working Model of battery-operated Electric Vehicle", under the guidance of the faculty members, Dr Rajesh Prasad and Prof Manohar Kumar Singh. After explaining the features of the model, they demonstrated working of the same to the other faculty members and students of the university.

Highlighting the salient features, Mr Akash Kumar said, "We incorporated a number of electronic sensors in the model to avoid / alert the driver on obstacles upto a range of 30 meters and prevent accidents. Signal processing for this is done through Arduino IOT technology." Mr Prakash Kumar said, "We thought of this project, as the future of India is Electrical Mobility, which will save fossil fuels and ensure cleaner environment". Explaining how they worked on the project, Mr Ravi Kumar said," It was a team work and our faculty guided us from the concept till the prototype was developed and tested. "The proud team of students expressed their gratitude to the ICFAI University for giving them an opportunity to work on such an exciting project.

Congratulating the faculty members and the students on the achievement, Prof O R S Rao, Vice-Chancellor of the University said, "It is a splendid achievement on the part of our students that worked with passion and enthusiasm. Credit for this also goes to our faculty members, who have motivated and guided our students ". "In anticipation of the developments in Electrical Vehicles industry, our University introduced Electrical Vehicles and IOT as part of the curriculum for our BTech program. Recently large automotive companies like Tata Motors are planning a mega recruitment drive to scale up their Electrical Mobility business in a big way. Our students are fully geared up to leverage this opportunity.", added Prof Rao.

Expressing happiness with the achievement of the students, Prof Arvind Kumar, Dean (Faculty of Science and Technology) said," Our University has the requisite infrastructure in terms of labs and workshops to equip our BTech students with hands-on skills. We encourage them to take up such practical projects, which help our students to learn better." Elated by the achievement of the students, Dr Rajesh Prasad said, "I am overjoyed with the work done our students. It is an interdisciplinary and challenging project, involving Mechanical, Electronics and Computer Science. Our students worked very hard to make it happen, despite several challenges."

पूर्वांचल सूर्य
रांची, शनिवार, 21 मई 2022 | झारखंड | 2

उपलब्धि :इक्फाई विश्वविद्यालय के बी.टेक के छात्रों ने इलैक्ट्रिक वाहन का कार्य मॉडल विकसित किया

विशेष संवाददाता

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड के बीटेक (मैकेनिकल) के तीन छात्र, आकाश कुमार सिंह, प्रकाश कुमार और रवि कुमार ने संकाय सदस्यों, डॉ. राजेश के मार्गदर्शन में ÷बैटरी से चलने वाले इलेक्ट्रिक वाहन का वर्किंग मॉडल÷ डिजाइन और विकसित किया। डॉ.राजेश प्रसाद और प्रो.मनोहर कुमार सिंह ने मॉडल की विशेषताओं को समझाने के बाद विश्वविद्यालय के अन्य संकाय सदस्यों और छात्रों को उसी के काम करने का प्रदर्शन किया।

मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए आकाश कुमार ने कहा, ÷हमने ड्राइवर को 30 मीटर की सीमा तक बाधाओं से बचने और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए मॉडल में कई इलेक्ट्रॉनिक सेंसर शामिल किए हैं। इसके लिए सिग्नल प्रोसेसिंग ÷आईडुइनो आईओटी÷ तकनीक के जरिए की जाती है।÷

मौके पर प्रकाश कुमार ने कहा, ÷हमने इस परियोजना के बारे में सोचा, क्योंकि भारत का भविष्य विद्युत गतिशीलता है, जो जीवाश्म ईंधन को बचाएगा और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करेगा÷। वहीं,रवि कुमार ने कहा, ÷यह एक टीम वर्क था और हमारे संकाय ने हमें अवधारणा से तब तक निर्देशित किया जब तक कि प्रोटोटाइप विकसित और परीक्षण नहीं किया गया। ÷छात्रों की टीम ने इस तरह की रोमांचक परियोजना पर काम करने का अवसर देने के लिए इक्फ़ाई विश्वविद्यालय का आभार व्यक्त किया।

इस उपलब्धि पर संकाय सदस्यों और छात्रों को बधाई देते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओआरएस राव ने कहा, ÷यह हमारे छात्रों की ओर से एक शानदार उपलब्धि है, जिसने पूरे जोश और उत्साह के साथ काम किया। इसका श्रेय हमारे संकाय सदस्यों को भी जाता है, जिन्होंने हमारे छात्रों को प्रेरित और मार्गदर्शन किया है।÷ प्रो. राव ने कहा ÷विद्युत वाहन उद्योग में विकास की प्रत्याशा में हमारे विश्वविद्यालय ने बीटेक कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में विद्युत वाहन और आईओटी की शुरुआत की। हाल ही में टाटा मोटर्स जैसी बड़ी ऑटोमोटिव कंपनियां अपने इलेक्ट्रिकल मोबिलिटी व्यवसाय को बड़े पैमाने पर बढ़ाने के लिए एक मेगा भर्ती अभियान की योजना बना रही हैं। हमारे छात्र इस अवसर का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।÷

छात्रों की उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए, प्रो. अरविंद कुमार, डीन (विज्ञान और प्रौद्योगिकी संकाय) ने कहा, ÷हमारे विश्वविद्यालय में बीटेक छात्रों को व्यावहारिक कौशल से लैस करने के लिए प्रयोगशालाओं और कार्यशालाओं के संदर्भ में आवश्यक बुनियादी ढांचा है। हम उन्हें ऐसी व्यावहारिक परियोजनाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जो हमारे छात्रों को बेहतर सीखने में मदद करती हैं।÷

छात्रों की उपलब्धि से उत्साहित डॉ. राजेश प्रसाद ने कहा, ÷मैं अपने छात्रों द्वारा किए गए काम से बहुत खुश हूं। यह एक अंत:विषय और चुनौतीपूर्ण परियोजना है, जिसमें मैकेनिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर साइंस शामिल हैं। हमारे छात्रों ने कई चुनौतियों के बावजूद इसे पूरा करने के लिए बहुत मेहनत की है।